# सफलता की कहानी 3

## आजिविका प्रशिक्षण से मिला दिव्यांगो को जीने का सहारा

## जिज्ञासा दिव्यांग समूह

**पता– ग्राम रसौटा, विकासखण्ड –पलारीजिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)**

छ.ग. सामाजिक सामावे ी परियोजना अंतर्गत बेस लाईन सर्वेक्षण के बाद बलौदा बाजार जिला में दिव्यांग समूह गठन किया गया आजिविका कार्य करने को इच्छुक दिव्यांग समुह को गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से दिव्यांगों की आर्थिक स ाक्तिकरण के लिए वर्श 2016 में अगरबत्ती निर्माण का प्र ाक्षण दिया गया जिसमें दिव्यांगो को हाथ से बेलकर अगरबत्ती बनाने का प्र ाक्षण दिया गया प्र ाक्षित दिव्यांगो के द्वारा समूह में सामूहिक रूप से अगरबत्ती निर्माण किया गया। लेकिन हाथ से बनाने पर ज्यादा उत्पादन नही हो पा रहा था साथ ही साथ बाजार में म ाीन से बने अगरबत्ती के मांग होने के कारण समूह के हाथ से बने अगरबत्ती का विक्रय कम हो पा रहा था। वर्श 2017 में गृहिणी संस्था के द्वारा बाजार के मांग अनुसार आजिविका कार्य करने को इच्छुक दिव्यांग समूहों को म ाीन से अगरबत्ती बनाने की प्र ाक्षण दिया गया। प्र ाक्षित दिव्यांग समूह जो निम्न है– विकासखंण्ड पलारी एकता दिव्यांग समूह रसौटा, संस्कार दिव्यांग समूह मल्लिन, जिज्ञासा दिव्यांग समूह कोनारी, जीवन ज्योति दिव्यांग समूह बलौदी, विकासखंण्ड सिमगा से जय मॉ दुर्गा दिव्यांग समूह एवंचंचल दिव्यांग समूह बुडगहन है इन समूहो को अगरबत्ती बनाने की विधि, पैकिंग कार्य, बाजार में विक्रय से लेकर कच्चा मॉल खरीदी के लिये बाजार की जानकारी भी दिया गया ।

प्रारंभिक स्थिति में दिव्यांग समूहों के द्वारा समूह के बचत रा ाि से अगरबत्ती निर्माण व्यवसाय को प्रारंभ किया क्योकि दिव्यांग समूह के पास ज्यादा रा ाि नही होने के कारण समूह ने छोटे स्तर पर अगरबत्ती निर्माण का व्यवसाय प्रारंभ किया तथा ग्राम स्तर पर विक्रय करना जैसे– साप्ताहिक बाजार, किराना दुकान, दिव्यांग समूह, एवं दिव्यांग संघ और आसपास के ग्राम में विक्रय किया जा रहा है।

## सफलता की कहानी 3

गृहिणी संस्था के प्रयास से ग्राम रसौटा के एकता दिव्यांग समूह वि.खं. पलारी को स्व. श्री विश्णु सिंह बैस के समृति में उनकी पत्नी श्रीमती सुनीता बैस रायपुर के द्वारा अगरबत्ती मशीन खरीदने के लिए 10000 रूपये की राशि दान में दिया गया उस राशि एवं समूह द्वारा बचत राशि मिलाकर समूह ने अभी बडे पैमाने में उत्पादन प्रांरभ किया है तथा नजदीक के दिव्यांग समूह को विक्रय हेतु दिया जा रहा है ताकि की समूह का मार्केटिंग बढ़ता रहें और विक्रय करने वाले समूह को भी आजिविका कार्य करने पर लाभ प्राप्त होता रहे है।

वर्तमान में समूह की सबसे बड़ी समस्या अगरबत्ती पैकिंग में आ रही है क्योकि समूह में राशि कम होने के कारण पैकिंग मशीन नही खरीद पाया है। और मार्केट में बड़ी कंम्पनीयों के हिसाब से इनका पैंकिग अगरबत्ती लोकल दिखाई देता है, जिसका सीधा असर उनके विक्रय पर पड़ रहा है। अगर दिव्यांग समूह को भाासकीय या किसी गैर भाासकीय संगठन सें आवश्यक मदद मिल जाये तो इससें आजिविका कार्य में लगे दिव्यांग समूह तथा दिव्यांगो को आय अर्जक कार्य करने में आसानी होगी तथा गैर दिव्यांग साथी के समान समाज में आत्म सम्मान से अपने परिवार के साथ जीवन निर्वाह कर पायेगी।